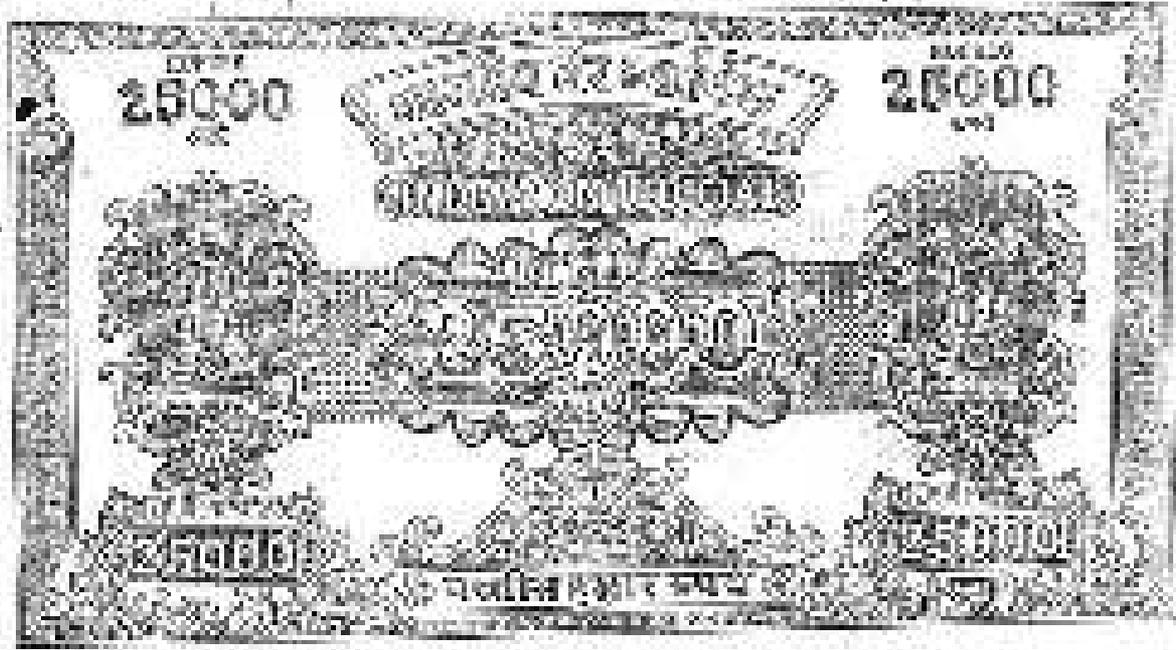
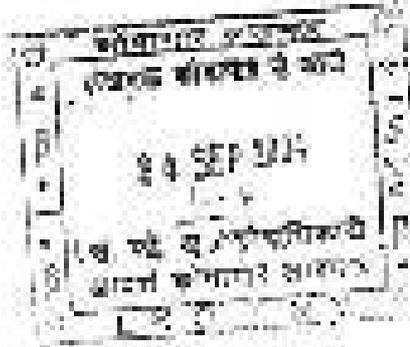


2-237/2

2-237/2



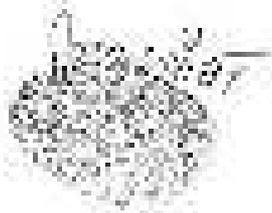
0101 75338



वित्त विवरण

मूल्य	₹ 2,00,000/-
व्याज	₹ 15,45,000/-
आय	₹ 1,75,000/-
कुल	₹ 2,00,000/-

यह वित्त विवरण श्री अशोक कुमार शर्मा द्वारा तैयार किया गया है।
 पुस्तकालय नं. 100/100, पटना-800001, तैयार किया गया है।



2-237/2



1310 58559



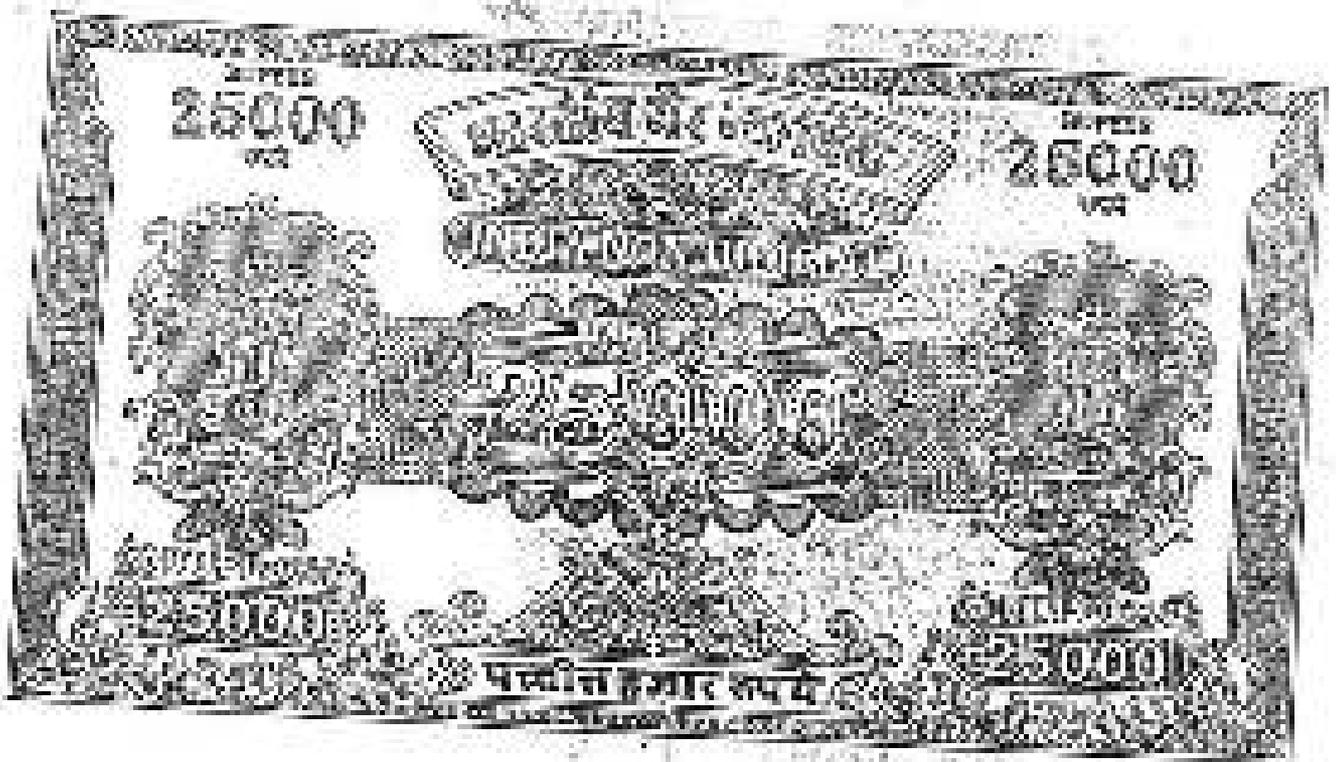
- 2 -

अधिकांश सिद्धे भागें देखेंका रकम गवा है, एवम् मोतीं रकम ५०० ११
 सिद्धे बलीं लकीरी, सिद्धे ली-साम सिद्धे सिद्धे सिद्धे, सिद्धे-सिद्धे,
 सिद्धे सिद्धे सिद्धे, ३३३३, सिद्धे भागें सिद्धे रकम गवा है, ३० सिद्धे सिद्धे
 सिद्धे सिद्धे।

५: सिद्धे सिद्धे सिद्धे सिद्धे ५० १२०, ३३३ सिद्धे सिद्धे १.५१
 सिद्धे सिद्धे, सिद्धे सिद्धे सिद्धे-३३३३ सिद्धे १५०० सिद्धे ०.३३३
 सिद्धे सिद्धे, ३३३ सिद्धे सिद्धे सिद्धे-३.३३, सिद्धे सिद्धे, सिद्धे सिद्धे सिद्धे सिद्धे।



सिद्धे सिद्धे



श्री राज लाल
 नारायण राय
 1954
 श्री राज लाल
 नारायण राय
 1954

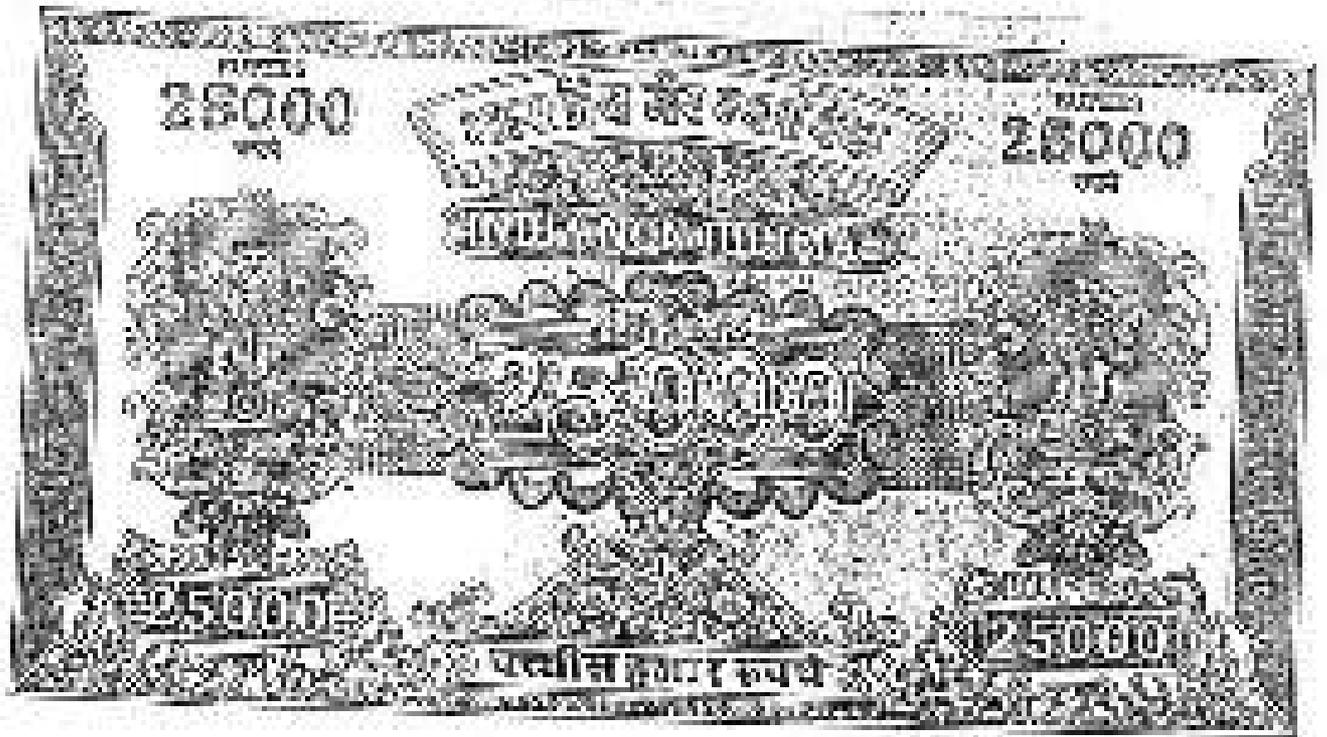
0000 78589

3 -

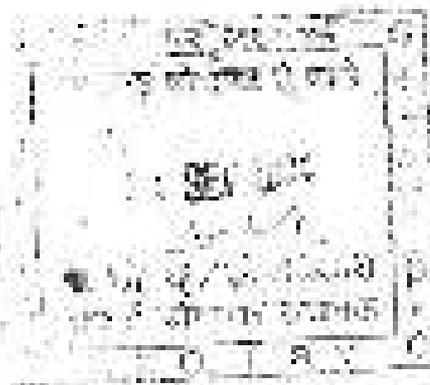
सिविल, प्रसाद - बिर्सा, जयपुर व जिला, लखनऊ, का गणिक, शक्ति
 का कालि है तथा उपरोक्त संसाधित पञ्जापिठ राजा कालीनी रूप संख्या
 42 व 44 से उपरोक्त भूमि विस्तार के नाम का उपरोक्त हस्तक्षेप संख्या
 अभिलेखों में हो गया है। विस्तार अपना सम्पूर्ण विस्तार क्षेत्र को इस विस्तार
 विस्तार द्वारा विस्तार कर रहा है। विस्तार उपरोक्त सम्पूर्ण भूमि के पारिष्क,
 पारिष्क व शक्ति से एक सम्पूर्ण सम्पूर्ण में एक भूमि कृषि भूमि है, और यह
 कि विस्तार का पारिष्क संख्या है कि उपरोक्त सम्पूर्ण भूमि सभी प्रकार के
 भूमि से मुक्त एवं भक्त व साधन है तथा विस्तार के द्वारा इस विस्तार के पारि

राज लाल
 नारायण राय

राज लाल
 नारायण राय



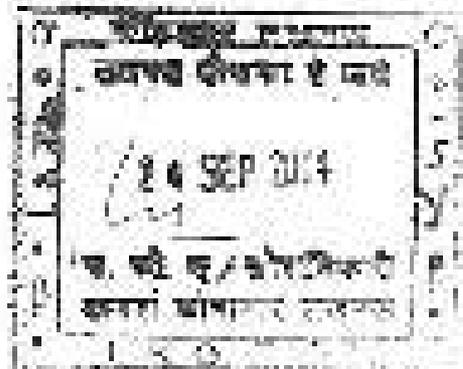
0850 785261



की दर, रिया, गिरवी या अनुस्थित इत्यादि नहीं किया है। उपरोक्त भूख
 या उत्पन्न कोई भी भूख मिली स्वाभाविक या सरकारी आस्थाओं से अंतोगत
 विवाद का धरु नियत नहीं है, न ही एक इत्यादि है। विवेक से अलावा उक्त
 भूमि में मिली अन्य स्थिति का उत्पन्न, एक या दोन इत्यादि नहीं है, एवं
 विवेक से उक्त विवेक अन्ततः कर्तव्य का पूर्ण अधिकार प्राप्त है। अतः
 उपरोक्त सरकारी के अन्ततः रूप रु० १०,००,०००/- (दशलक्ष मात्र रुपये)
 अन्ततः रूपरा, के प्रतिफल में विवेक कि उपरोक्त सेवा द्वारा विवेक भी इस
 विवेक का उत्पन्न न ही गई उपरोक्त में शरीर विवेक से उपरोक्त उपरोक्त कर्त



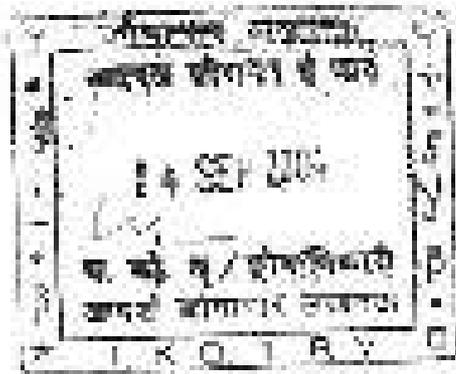
पञ्जाब प्रान्त सरकार



25000

किताबों के लिए विशेषीकरण की योजना नहीं स्वीकार करता है, जहाँ तक
 ऊपर विवेक और कला के साथ उल्लेख प्रसिद्ध मुद्रा निराकरण विवरण एवं
 विवेक विवेक के अन्तर्गत अनुसूची के अन्तर्गत दिया गया है, यह कोई बंध
 दिया है। एव विवेक ने विवेकानन्द मुद्रा को भीके पर कला कला को पलायी
 करा दिया गया है। अब उक्त आरम्भ के विवेक तथा उसके बाद के
 कोई उल्लेख नहीं है। विवेक ने विवेकानन्द सम्पत्ति को उक्त स्वामि
 सम्पत्ति अधिकारी के साथ सुतय व उभेन के लिए उक्त को स्थापित
 कर दिया है। अब उक्त निवेकानन्द सम्पत्ति एवं उक्त के अर्थक भाग को उक्त

[Signature/Stamp]
 [Signature/Stamp]



UNCLASIFIED

एकमात्र ल्यामिन्ड व अधिकतम व रचना में सम्पत्ति के रूप में धारण एवं उपयोग व उपयोग करने। विदेशी अर्थों किसी प्रकार की अर्थव्यवस्था नहीं होना समझे एवं न ही कोई मंगल कर सर्वनी। और यदि डिजिटल सम्पत्ति अथवा कोई भाग विदेशी के सम्पत्ति में जुटे हैं क र्म वा क र्म की अर्थव्यवस्था वा क र्म की जुटे के वास्तव में वा उसके वास्तविक निष्पत्तियों द्वारा कि क र्म वा अर्थव्यवस्था वा क र्म से निकल जाई तो प्रता उसके वास्तविक निष्पत्तियों द्वारा कि क र्म होना कि वह अर्थात् समस्त गुणवत्ता एवं र्म व र्म, विदेशी की र्म, अर्थव्यवस्था से वास्तविक अर्थात् वरुण कर



NO
Library



0203 735351



की इस स्थिति में जिला एवं उसके अधीनस्थ न्याय व अर्थों के लिए कार्य
करेंगे।

यह कि कौन ज़िम्मेदार ज़रूरतों को दूर करने के लिए जिला एवं उसके अधीनस्थ न्याय व अर्थों के लिए कार्य करेंगे। यह कि इस जिले के अर्थों के लिए कार्य करेंगे जिला एवं उसके अधीनस्थ न्याय व अर्थों के लिए कार्य करेंगे। जिला एवं उसके अधीनस्थ न्याय व अर्थों के लिए कार्य करेंगे।

पञ्जीन हज़ार रुपये

पञ्जीन हज़ार रुपये



UNID 789311



- 8 -

यह कि अर्द्धशत करोड़ नंबर का नुसलकर गार पुसकर
 अर्द्धशत करोड़ के विशिष्ट काग के अर्णात आता है इसलिए रिगॉरि
 अर्द्धशत करोड़ २० ११,००,०००/- प्रति इन्टेरेर के रिगॉर से रिगॉरि मुमि
 १,३५१ इन्टेरेर की मलियत करो १४,००,०००/- होती है तथा दो गतवृष के
 रिगॉरि मुमि करो ६०,०००/- है इन्टेरेर कुन मलियत करो १५,००,०००/-
 होती है तब रिगॉरि मुमि, मुमि की गतवृष मुमि से अर्द्धशत के इन्टेरेर
 रिगॉरि मुमि बिगुव मुमि करो ५१ ही करो २,१३,०००/- गतवृष करो ३५ किय
 का का है तब रिगॉरि मुमि बिगुव मुमि करो २,१३,०००/- का का है तब रिगॉरि मुमि





RS 44 881965

कोटागढ़ जल निका
 अन्तर्गत क्षेत्र 3/19/1
 1-10-1965
 स. प्रो. ए. ए. नारायण
 अदालत कोटागढ़ जल निका
 K. O. T. B. Y.

- 9 -

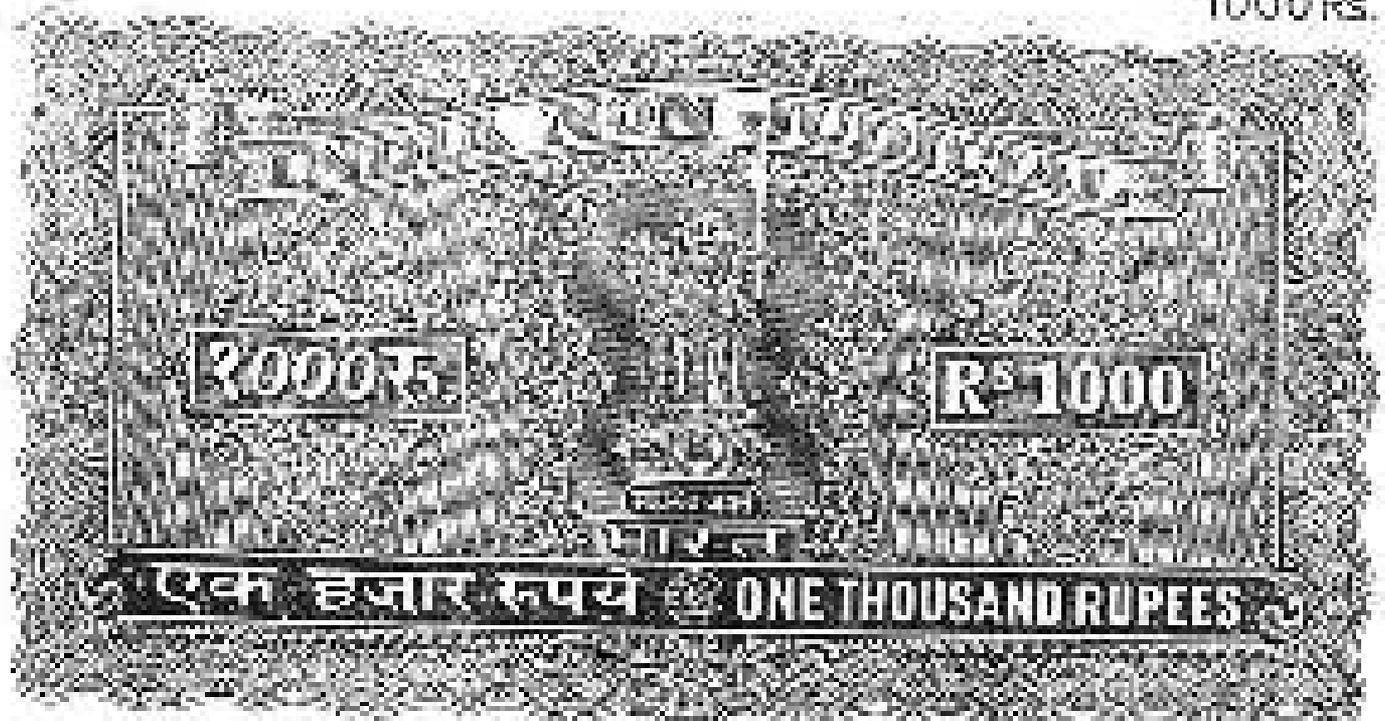
का है। इस मुनि में कोई शुभां गलत, या निर्माण आदि नहीं है, तथा
 200 मीटर के आसपास में कोई निर्माण नहीं है किन्ती मुनि खेती किन्तु मार्ग
 इन्धन में अवरोध नहीं है किन्ती मुनि खेती किन्तु मार्ग
 इन्धन में अवरोध नहीं है। विस्तार मुनि मुजान्ना अंश 10
 लगभग दो किन्तीनाद से अधिक नहीं है किन्ती मुनि खेती किन्तु मार्ग
 इन्धन में अवरोध नहीं है। इस विस्तार मुनि के विस्तार का समस्त खर्च मुनि
 द्वारा वहन किया गया है।

निम्नलिखित यह विस्तार का समस्त खर्च मुनि द्वारा वहन किया
 गया किन्ती मुनि खेती किन्तु मार्ग इन्धन में अवरोध नहीं है।

(Handwritten signature)

(Handwritten signature)

1000 Rs.



- 10 -

उद्दिष्ट / विवरण निम्नलिखित संख्याओं का मिलान

श्रीमि संख्या नं 190, 220, 221 का संख्या 1,211 इंस्टेंडर, का साथ
भाग, एवं संख्या संख्या-1999 व 1994 संख्या 0,296 इंस्टेंडर, इस प्रकार
संख्या संख्या 1,35 इंस्टेंडर दिनांक पान मुद्रण नगर धुलाना परमाणु
नियंत्रण, कर्नाटक व जिला तालुक विधानी बोर्डों में है।

संख्या नं 190

पुत्र

संख्या संख्या 191

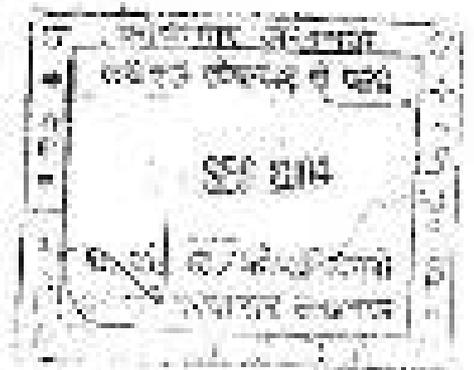
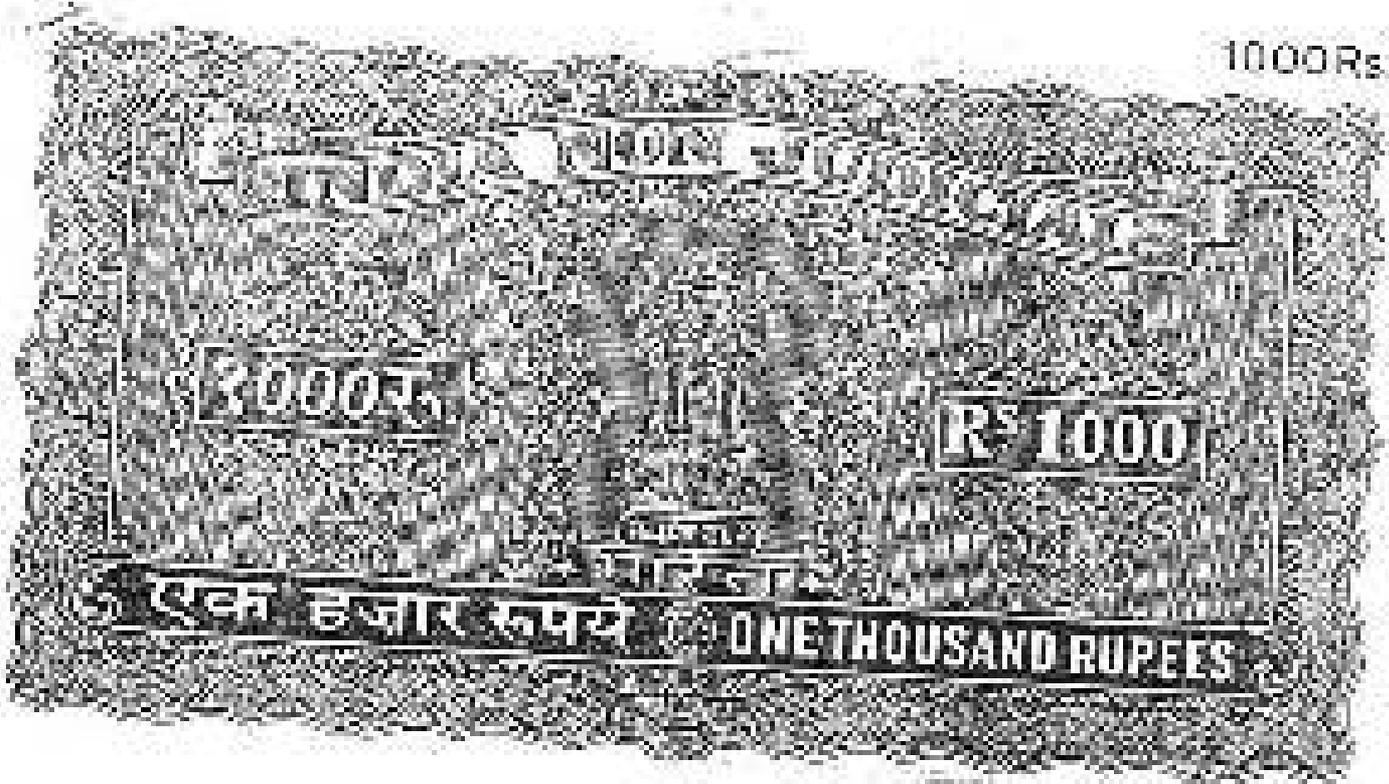
पत्नी

संख्या संख्या-199



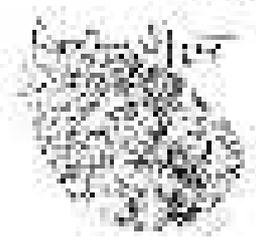
श्रीमि

1000Rs



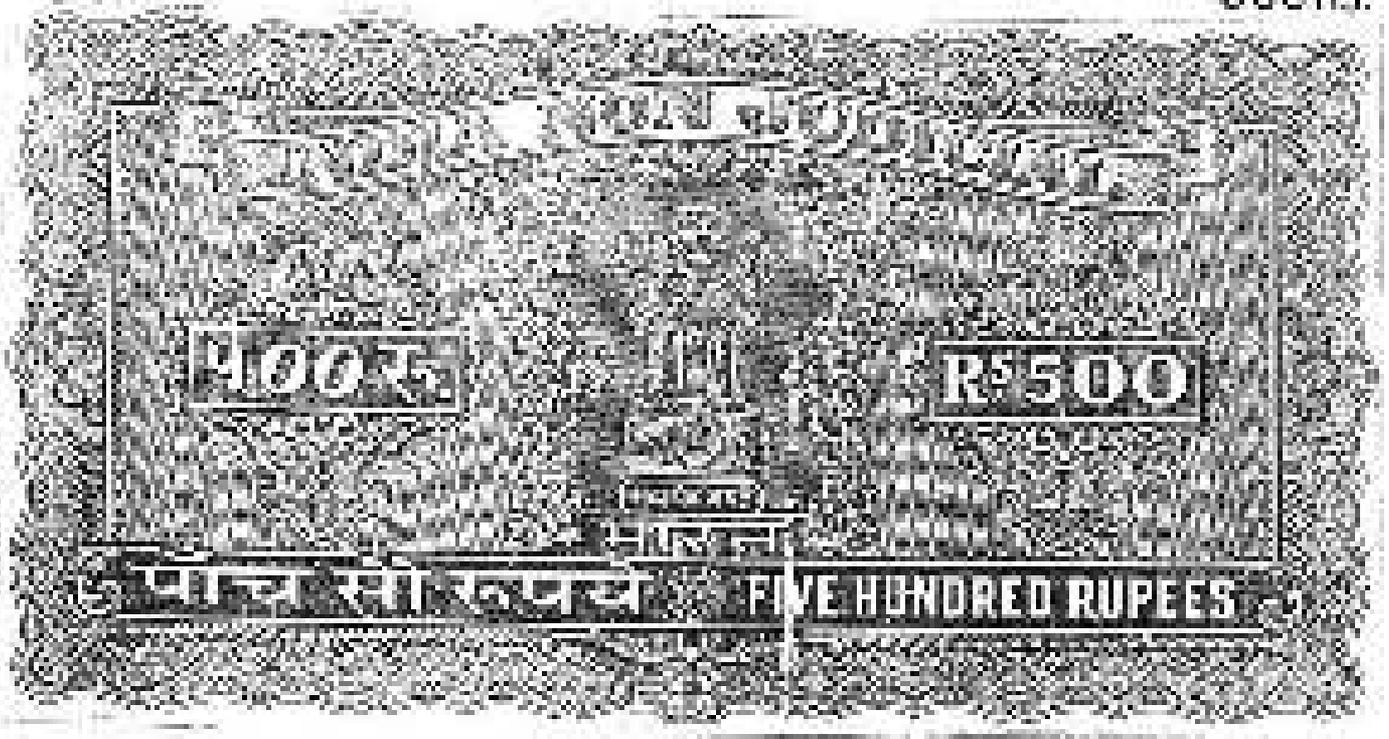
-11-

- बालक
 - अक्षय
 - गुरु
 - परिमल
 - वासु
 - लक्ष्मी
- अक्षय संख्या-173
 - अक्षय संख्या-173
 - अक्षय संख्या-173
 - अक्षय संख्या-229 व दीगर
 - अक्षय संख्या-दीगर
 - अक्षय संख्या-225 व 228
 - अक्षय संख्या-219



NO
 1000/1000

500Rs.



एकसहस्रं चतुःशस्रं अथ च त्रयोशस्रं च

- पुस्तक संख्या- 243 व 153
- पत्रिका संख्या- 158
- पत्रिका संख्या- 215
- पत्रिका संख्या- 161

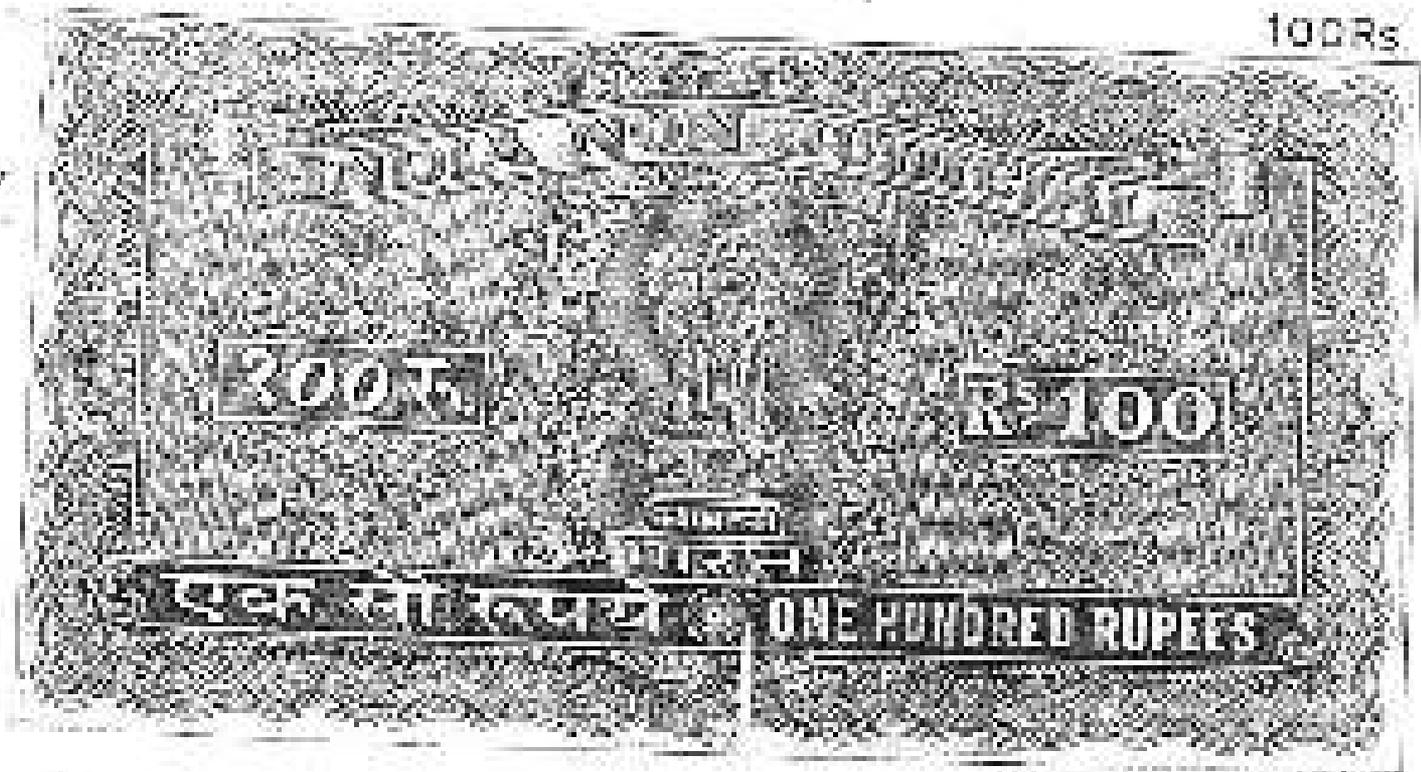
परिशिष्ट : भूतान विवरण

उप- 21/26/2017- (संख्या इमकीच पाठ्य इलीज एवार भाग) इला रीरा
अर्थ संख्या- 51/27/2017 दिनांक 27/09/2004 मन्त्रालय भवन केन,

परिशिष्ट

परिशिष्ट

100Rs



14-

एक सौ रुपये का नोट प्राप्त हुआ है।
यह नोट बैंक में जमा किया गया है।

नम्बर

दिनांक 27.09.2004

गवाह

—

श्री. राम चन्द्र प्रसाद
श्री. राम चन्द्र प्रसाद
श्री. राम चन्द्र प्रसाद

श्री. राम चन्द्र प्रसाद
श्री. राम चन्द्र प्रसाद
श्री. राम चन्द्र प्रसाद

गवाह

—

श्री. राम चन्द्र प्रसाद



दिनांक

श्री. राम चन्द्र प्रसाद
श्री. राम चन्द्र प्रसाद

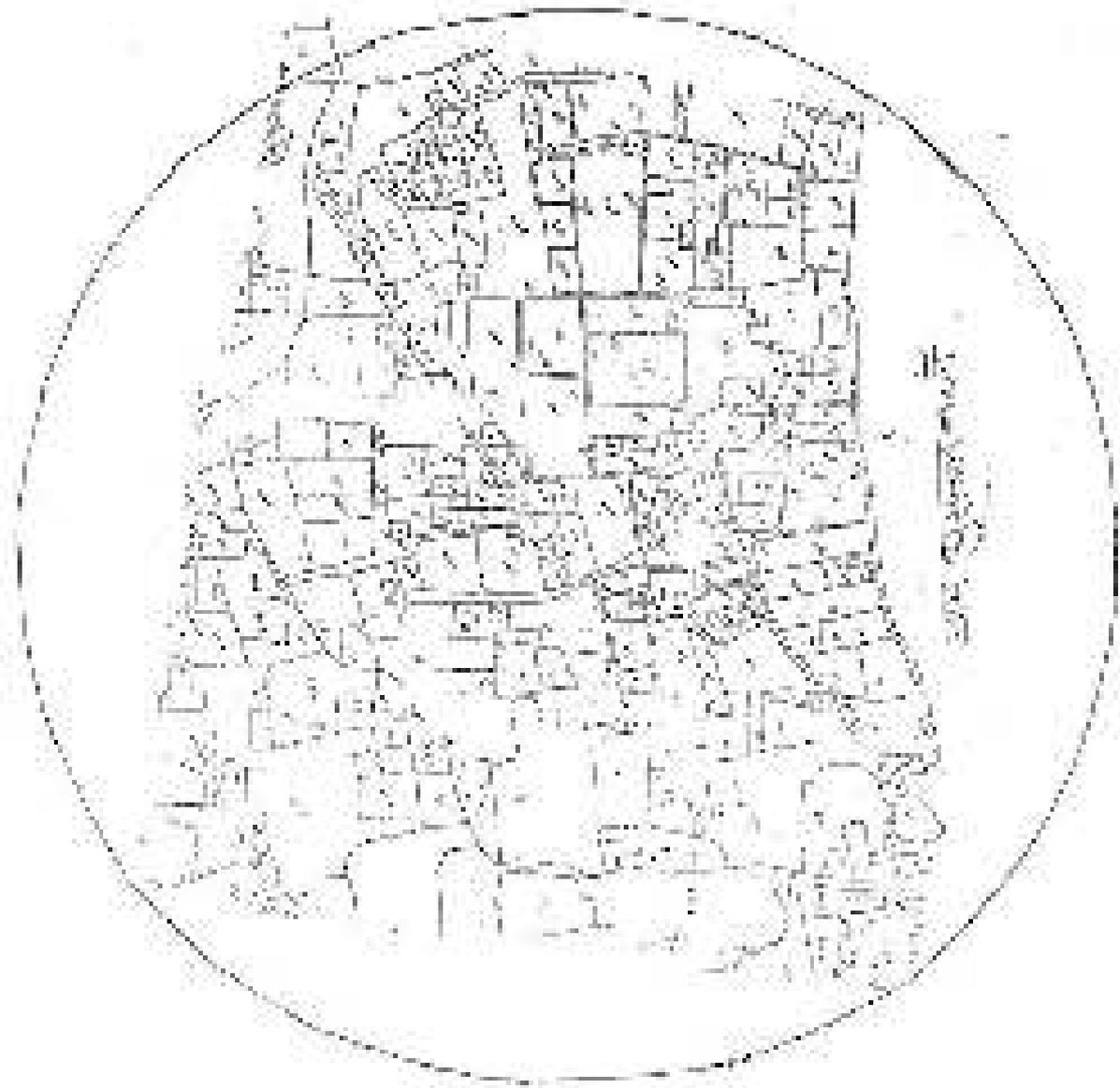
मुख्यालय

श्री. राम चन्द्र प्रसाद

श्री. राम चन्द्र प्रसाद

श्री. राम चन्द्र प्रसाद

Handwritten text on the left side of the page, possibly a title or description, oriented vertically.



Handwritten text or signature located below the main circular diagram, possibly a date or a name.

Handwritten text, possibly a signature or date, including the number 121/1650.

